KM_KM.qxd 04-04-2023 17:01 Page 1

जम्मू युनिवर्सिटी पोस्ट

उत्कृष्ट भविष्य की ओर अग्रसर

बुधवार, अप्रैल 5 | जम्मू | अंक 1

अंतर्नाद अंतरात्मा की आवाज़

यूथ फेस्टिवल-अंतर्नाद के शुभारंभ के अवसर पर चांसलर मनोज सिन्हा, कुलपति प्रोफेसर उमेश राय एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति।

रोहन चौधरी

जम्मू। जम्मू विश्वविद्यालय में 36वें अंतर-विश्वविद्यालय उत्तर क्षेत्र युवा महोत्सव 'अंतर्नाद' का उद्घाटन माननीय उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के द्वारा किया गया और समापन मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने किया।

इस पांच दिवसीय युवा महोत्सव का आयोजन जम्मू विश्वविद्यालय में एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज(एआईयू), नई दिल्ली के तत्वावधान में किया गया। यह महोत्सव 4 फरवरी 2023 तक जारी रहा। उद्घाटन समारोह में जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने विभिन्न विश्वविद्यालयों के सभी छात्रों का जम्मू विश्वविद्यालय में स्वागत किया और युवाओं को कला के माध्यम से खुद को अभिव्यक्त करने के लिए 'अंतर्नाद' जैसे और अधिक मंच प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, 'सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियां उत्कृष्टता प्राप्त करने, मन को प्रबुद्ध करने और हमारी आने वाली पीढ़ियों को विकसित करने के लिए छात्रों की क्षमताओं का पोषण करेंगी।'

इस नॉर्थ जोन यूथ फेस्टिवल में चंडीगढ़, उत्तराखंड, पंजाब, लुधियाना और जम्मू-कश्मीर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यिक, गायन कला और अन्य साहित्यिक कार्यक्रमों में भाग लिया और मिमिक्री, पेंटिंग, रंगोली, माइम आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जिस तरह से प्रशासन ने बड़ी भूमिका निभाई, यहां के छात्रों ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हर संभव कोशिश की और कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया, एसएचटीएम विभाग जम्मू विश्वविद्यालय ने छात्रों के लिए भोजन और जलपान की सभी व्यवस्थाएं की। सभी विश्वविद्यालयों के छात्र और उनके साथ विश्वविद्यालयों के विभिन्न अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस पांच दिवसीय नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल के समापन पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण व युवा खेल मंत्री अनुराग ठाकुर को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर आयोजित समारोह में जम्मू संभाग के पांच पद्मश्री विजेताओं को केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर की उपस्थिति में कुलपति प्रो. उमेश राय ने सम्मानित किया। इनमें पद्मश्री जितेंद्र उधमपुरी, पद्मश्री रविंद्र टिक्कु, पद्मश्री एसपी शर्मा, डोगरी लेखक मोहन सिंह और पद्मश्री बलवंत ठाकुर शामिल हैं।

कार्यक्रम के समापन सत्र में पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों सहित विभागाध्यक्ष (डॉ. गरिमा गुप्ता) एवं अन्य शिक्षकों ने 'अनुराग ठाकुर' का स्वागत किया। अपने संबोधन के दौरान, अनुराग ठाकुर ने पत्रकारिता और मीडिया अध्ययन विभाग के छात्रों के इस रवैये के लिए छात्रों की प्रशंसा की और पत्रकारिता विभाग का विस्तार करने का भी वादा किया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि हमारे समाज के सभी मामलों में सुधार किया जा सकता है और साथ ही साथ उन्होंने भविष्य में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी और जम्मू विश्वविद्यालय पर भी बहुत जोर दिया।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, कुलपति जम्मू विश्वविद्यालय, अधिकारियों और पत्रकारिता के छात्रों के साथ यूथ फेस्टिवल अंतर्नाद के समापन समारोह के दौरान ग्रुप फोटो लेते हुए।

छात्रों के लिए, छात्रों द्वारा

हिमानी कंधारी

"मैं जम्मू विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक प्रतिनिधि हूं। इस युवा उत्सव में मुझे विभिन्न कार्यों के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था। इस उत्सव में उत्तर भारत के 18 विभिन्न विश्वविद्यालय थे जो हमारे लिए एक बोनस था क्योंकि यहां हमें विभिन्न संस्कृति और क्षेत्र के अन्य छात्रों के साथ बातचीत करने का मौका मिला। 'अंतर्नाद' जम्मू विश्वविद्यालय में आयोजित अब तक सबसे बड़े उत्सवों में से एक था। यह मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव था। भविष्य में हम अपने विश्वविद्यालय से इस तरह के उत्सवों की उम्मीद करते हैं।"

निकिता शान,
जियोलॉजी विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय

"अंतर्नाद यूथ फेस्टिवल के दौरान मेरी ड्यूटी फूड और फूड कोर्ट से संबंधित सभी गतिविधियों का प्रबंधन करने की थी। हमारा काम ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर जैसे अलग-अलग शिफ्ट में बंट जाता था। हमें विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों के साथ बातचीत करने का मौका मिला और इससे वास्तव में हमें अपने संचार कौशल में सुधार करने में मदद मिली। यह वास्तव में बहुत अच्छा अनुभव था।"

अर्जुन भल्ला,
स्कूल ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म मैनेजमेंट विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय

पत्रकारिता विभाग ने इस पूरे यूथ फेस्टिवल को मीडिया कवरेज दी। 'अंतर्नाद' ने मुझे अपने ज्ञान के क्षितिज को व्यापक बनाने में मदद की। मैंने बहुत सी नई चीजें सीखीं जिन्होंने अंततः मेरे व्यक्तित्व को आकार दिया। मेरा मानना है की इस तरह के आयोजन अधिक से अधिक होने चाहिए ताकि छात्रों को अपनी प्रतिबा दिखने का मौका मिले।

कोमल देवी,
पत्रकारिता और मीडिया अध्ययन विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय

'जोश-ए-सरहद': 'वर्तमान समय में शिक्षा को कक्षाओं की चारदीवारी तक सीमित रखने की आवश्यकता नहीं'

रिया जसरोटिया

जम्मू। जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा 11 जून, 2022 को 'जोश-ए-सरहद' विषय के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय सीमा, सुचेतगढ़, जम्मू में दौरा आयोजित किया, जिसका उद्देश्य छात्रों के बीच राष्ट्रवाद, देशभक्ति और ऐतिहासिक संबंध की भावना को विकसित करना था। दर्शकों को संबोधित करते हुए, जम्मू विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. उमेश राय ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा को कक्षाओं की चारदीवारी तक सीमित रखने की आवश्यकता नहीं है। इसके बजाय, इस प्रकार की आउटरीच गतिविधियाँ शैक्षिक पाठ्यक्रम का एक अभिन्न अंग होनी चाहिए, क्योंकि यह सामाजिक सद्भाव

वक्तव्य पृष्ठ 2 पर पढ़ें

सुचेतगढ़ बॉर्डर, जम्मू के दौरे के दौरान कुलपति प्रोफेसर उमेश राय अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ।

और विश्वास निर्माण को भी बढ़ावा देती हैं। प्रो. उमेश राय ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भविष्योन्मुखी है और इसका उद्देश्य डॉ. एस राधाकृष्णन के शिक्षा के दृष्टिकोण को पूरा करना है जो छात्र को राष्ट्रीय विकास में भाग लेने के लिए सशक्त बनाता है।

■ शेष पृष्ठ 2 पर

जम्मू विश्वविद्यालय का ईडन गार्डन

हरप्रीत, कर्मन

'एक बगीचे का पोषण करना केवल शरीर का नहीं बल्कि आत्मा का पोषण करना है।'
-अल्फ्रेंड ऑस्टिन

जम्मू। बोटैनिकल गार्डन 1970 के दशक में स्थापित होने के बाद से जम्मू विश्वविद्यालय के परिसर को अपनी भव्यता से भर रहा है। बोटैनिकल गार्डन को बोटैनिकल गार्डन कंजर्वेशन इंटरनेशनल (बीजीसीआई), रॉयल बोटैनिकल गार्डन, केव (लंदन) द्वारा सम्मानित किया गया है, जिसमें लुप्तप्राय, दुर्लभ और संकटग्रस्त प्रजातियों का एक समृद्ध संग्रह है। छात्रों और शिक्षकों के साथ-साथ विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा बीजीसीआई से अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त करने के लिए बहुत सारे सामूहिक प्रयास और पहल की गई, जो लगभग 118 देशों में 800 से अधिक वनस्पति उद्यानों के साथ काम करता है। इस उद्यान में औषधीय से लेकर सबसे छोटे जिम्नोस्पर्म तक की पौधों की प्रजातियों की एक विस्तृत श्रृंखला पाई जाती है और पौधों की व्यवस्था 'बेनखान और हुकर' के वर्गीकरण की प्रणाली के अनुसार परिवार प्रणाली का पालन करती है, पौधों की दुर्लभ और विदेशी प्रजातियां इस उद्यान की आभा को उजागर करती हैं। ग्रीन हाउस और ग्लास हाउस के साथ

■ शेष पृष्ठ 2 पर

KM_KM.qxd 04-04-2023 17:01 Page 2

'मैं विश्वविद्यालय को एक उदार, लोकतांत्रिक और रचनात्मक स्थान के रूप में देखना चाहता हूँ' - कुलपति

प्रश्न. आप एक साल से इस पद पर हैं। आप प्रतिष्ठित दिल्ली विश्वविद्यालय से अपने समृद्ध अनुभव के साथ आए थे। आप हमारे विश्वविद्यालय के छात्रों की तुलना दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों से कैसे करते हैं?

मेरा अनुभव मुझे बताता है कि हमारे विश्वविद्यालय के छात्र बौद्धिक रूप से उतने ही अच्छे हैं या कुछ मामलों में हमारे देश के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों के छात्रों से भी बेहतर हैं। कृपया याद रखें कि हम न केवल जम्मू जैसे शहरी केंद्रों से बल्कि सुदूर व पिछड़े क्षेत्रों से भी छात्र प्राप्त करते हैं जहां शैक्षिक संसाधन अभी भी दुर्लभ हैं। कई विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने वाले अपने परिवार में पहले व्यक्ति भी हैं। हालांकि, इन सीमाओं के बावजूद वे कड़ी मेहनत करते हैं और उनका रवैया, प्रेरणा, दृढ़ संकल्प और लचीलापन उन्हें सफल होने में मदद करता है चाहे वे कहीं भी जाएं। सबसे अच्छी बात यह है कि वे कैंपस में विकसित ज्ञान और आलोचनात्मक सोच को अपने जीवन के अनुभव से जोड़ने में सक्षम हैं। ऐसे छात्र ही शिक्षा को वास्तविक अर्थ देते हैं और इसी संदर्भ में मैं उन्हें किसी भी अन्य विश्वविद्यालय के छात्रों से बेहतर आंकूंगा।

प्रश्न. क्या आपके पास क्षेत्र के विभिन्न हितधारकों विशेष रूप से नागरिक समाज के सदस्यों को विश्वविद्यालय के दायरे में लाने की कोई योजना है?

बड़े पैमाने पर उच्च शिक्षा और समाज के बीच एक गतिशील साझेदारी बनाना विश्वविद्यालय के बुनियादी मिशनों (शिक्षण और अनुसंधान के साथ) में से एक रहा है। हमारे पास विभिन्न कार्यक्रम एवं समारोह हैं जिनमें नागरिक समाज के सदस्य शामिल हुए हैं। विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किए गए विभिन्न कार्यक्रमों ने विभिन्न हितधारकों और विश्वविद्यालय समुदाय के बीच निरंतर संवाद का मार्ग भी खोल दिया है। फिशरी का उदाहरण मैं पहले ही दे चुका हूं कि फिशरी में स्पेशलाइजेशन रखने वाला किसान मुझसे बेहतर फिश कल्चर और प्रोडक्शन के बारे में जानता है। मैंने भूमि से प्रयोगशाला कार्यक्रम भी शुरू किया है जिसके माध्यम से विश्वविद्यालय स्तर पर उन लोगों द्वारा विभिन्न कौशल लाए जा सकते हैं जिनके पास विश्वविद्यालय की कोई डिग्री नहीं है।

प्रश्न. शिक्षा का आपका दर्शन क्या है विशेष रूप से कक्षा शिक्षण से परे हमारे छात्रों के लिए एक्सपोजर प्रदान करना?

मैं काफी हद तक प्रो. दिनेश सिंह से सहमत हूं जिन्होंने एक बार कहा था कि 'शिक्षा चुनौती है ऐसे रास्ते बनाने की जो व्यक्तियों को खुद को खोजने के लिए उचित मात्रा में छूट, स्वतंत्रता व रचनात्मकता प्रदान करती है।' शिक्षा पाठ्यक्रम को समाज की जरूरतों और चुनौतियों के इर्द-गिर्द बनाने की जरूरत है, जिसके लिए ट्रांस-डिसिप्लिनरी होना जरूरी है और ऐसी शिक्षा होनी चाहिए जो बड़े पैमाने पर परियोजनाओं पर आधारित हो और लचीलेपन से पाठ्यक्रम में सुधार कर सके। शिक्षा के पीछे का विचार कौशल और ज्ञान को संतुलित करना होना चाहिए। दुर्भाग्य से हमारे देश में हम कौशल को हीन मानते हैं, यह भी काफी हद तक शिक्षा के बारे में महात्मा गांधी का विचार था। सीखने की प्रक्रिया में कार्यवाही को प्रोत्साहित करने के लिए हमें यह करने की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय को शिक्षा को समाज और देश की चुनौतियों से जोड़ना होगा।

प्रश्न. आपने विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्तर पर कई गतिविधियों का आयोजन किया है। राज्य तंत्र ने इसका जवाब कैसे दिया है या कैसे राज्य प्राधिकरण ने विश्वविद्यालय के साथ सहयोग किया है।

हमारे माननीय उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा जी हमें फंड्स आवंटित करते समय भी हमारे विश्वविद्यालय के प्रति बहुत विचारशील रहे हैं। हम अपने कठुआ कैंपस में एक अत्याधुनिक खेल परिसर का निर्माण कर रहे हैं जिसे राज्य द्वारा वित्त पोषित किया गया है। राज्य ने पुंछ कैंपस में एक जनजातीय संग्रहालय बनाने में भी हमारा समर्थन किया है और उदारतापूर्वक कई कौशल विकास और व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशालाओं को वित्तपोषित किया है। मेरे पास यह विश्वास करने का हर कारण है कि भविष्य में भी स्थिति ऐसी ही बनी रहेगी।

प्रश्न. आने वाले दिनों में आप यूनिवर्सिटी को कैसा देखना चाहेंगे?

मैं विश्वविद्यालय को एक उदार, लोकतांत्रिक, रचनात्मक स्थान के रूप में देखना चाहता हूं जहां जाति, वर्ग, पंथ और क्षेत्र की सभी सीमाओं से परे विचारों का स्वतंत्र और निडर आदान-प्रदान हो। इसे ज्ञान पैदा करने की स्थान के रूप में उभरना चाहिए जो विश्वविद्यालय कैंपस की परंपरागत सीमाओं के बाहर भागीदारों के साथ जुड़कर क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर परिवर्तनकारी तरीके से समाज को प्रभावित करना शुरू कर देगा। विश्वविद्यालय में अब 11 से अधिक छात्र-केंद्रित क्लब हैं। मुझे उम्मीद है कि यह छिपी हुई प्रतिभाओं को बाहर लाने और उनके प्रदर्शन में विस्मय उत्पन्न करने का एक अभियान होगा। यह वास्तव में एक सपना सच होने जैसा है।

जम्मू विश्वविद्यालय के कई वर्षों में पहली बार

डॉ. परदीप सिंह बाली

पिछला शैक्षणिक वर्ष जम्मू विश्वविद्यालय के लिए 'कई बातों का पहला वर्ष' था। अन्य बातों के अलावा, आमने-सामने सीखने के लिए संक्रमण एक महत्वपूर्ण पहल थी, क्योंकि विश्वविद्यालय शायद 'कोविड-19' महामारी के एक साल बाद ऑफ़लाइन कक्षाओं को फिर से शुरू कर रहा था।

पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विभाग का शुभारंभ: पहली बार जम्मू विश्वविद्यालय ने फरवरी 2022 में पत्रकारिता और मीडिया अध्ययन विभाग शुरू किया, जिसे क्षेत्र की लंबे समय से प्रतीक्षित इच्छा की पूर्ति के रूप में वर्णित किया गया था।

जोश- ए -सरहद: जून के महीने में जम्मू विश्वविद्यालय ने 'जोश-ए-सरहद' मनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सीमा सुचेतगढ़, जम्मू का पहला दौरा आयोजित किया, जो जम्मू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. उमेश राय की एक पहल थी, जिनका मानना था कि इस तरह की गतिविधियाँ छात्रों के बीच सामाजिक सद्भाव और विश्वास निर्माण को बढ़ावा देंगी।

स्थापना दिवस: जम्मू विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के बाद पहली बार 5 सितंबर को कई कार्यक्रमों का आयोजन करके अपना स्थापना दिवस मनाया। कुलपति प्रो. उमेश राय ने प्रमुख संस्थान को वैश्विक दृश्यता देने के लिए सभी हितधारकों को एक साथ लाने का आह्वान किया।

कलीरा बनाने की कला: सदियों पुरानी परंपराओं को पुनर्जीवित करने, सतत सामाजिक-आर्थिक विकास और समुदाय के साथ जुड़ने के लिए, जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा 'द आर्ट ऑफ़ कलीरा मेकिंग' पर अपनी तरह की पहली महिला अधिकारिता प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

सेल्फी प्वाइंट: विश्वविद्यालय परिसर को और अधिक आकर्षक और जीवंत बनाने के प्रयास में, 'कैमरा जुनूनी' पीढ़ी के स्वाद के साथ सरेंखित करते हुए, जम्मू विश्वविद्यालय ने पहली बार कई सेल्फी पॉइंट जैसे 'आई लव जम्मू यूनिवर्सिटी' स्थापित किए। ये बिंदु न केवल स्थानीय छात्रों को बल्कि विभिन्न विश्वविद्यालयों और राज्यों के आगंतुकों को भी आकर्षित कर रहे हैं।

महात्मा गांधी सेवा पुरस्कार: पहली बार, जम्मू विश्वविद्यालय के किसी कुलपति को प्रतिष्ठित 'महात्मा गांधी सेवा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। प्रो. उमेश राय को शिक्षा के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान, विशेष रूप से गांधीवादी मूल्यों को बढ़ावा देने और उनके नेतृत्व में जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा की गई शांति पहल के संबंध में उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

पहले पेज का शेष

'जोश-ए-सरहद': 'वर्तमान समय में...

इससे पहले, मीडिया कर्मियों से बात करते हुए, कुलपति ने इस आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालने के अलावा यह भी कहा कि यह उन कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का हिस्सा है, जिन्हें जम्मू विश्वविद्यालय भारत @100 अमृत काल के तहत आयोजित करने की योजना बना रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के संबंध में एक प्रश्न का उत्तर देते हुए, प्रो. राय ने कहा कि जम्मू विश्वविद्यालय वर्तमान सत्र से एनईपी को लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृष्टि रखता है। प्रो. उमेश राय ने जम्मू विश्वविद्यालय के समग्र विकास के लिए उनकी दृष्टि और मार्गदर्शन के लिए जम्मू विश्वविद्यालय के चांसलर श्री मनोज कुमार सिन्हा का भी आभार व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम का आयोजन डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर (DSW) के कार्यालय में किया गया था, जिसमें डॉ. इमरान फारूक नोडल अधिकारी थे। इस अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिसमें जीडीसी आरएस पुरा और विश्वविद्यालय के छात्रों ने अपने प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बीएसएफ कर्मियों द्वारा 'बीटिंग द रिट्रीट' समारोह था, जिसकी इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने खूब सराहना की। कुलपति प्रो. उमेश राय ने क्लस्टर विश्वविद्यालय जम्मू के कुलपति प्रो. बेचन लाल को सम्मानित किया, जो इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। डीआईजी बीएसएफ श्री सुरजीत सिंह साइखों, कमांडिंग ऑफिसर श्री अजय के. सूर्यवंशी, अन्य अधिकारियों और बीएसएफ के जवानों और एसडीएम आरएस पुरा, श्री राम लाल को भी सम्मानित किया गया। अन्य लोगों में प्रो. रजनी ढींगरा (डीन रिसर्च स्टडीज), प्रो. नीलू रोहमेत्रा (निदेशक डीडीई), प्रो. रजनीकांत, (निदेशक, सीडीसी), प्रो. अरविंद जसरोटिया, (रजिस्ट्रार) और विश्वविद्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी और छात्र और शोधार्थी उपस्थित थे।

वक्तव्य

'जो यह सरहद पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया है उसका लक्ष्य यह है कि बच्चे सरहद पर जाए और देखे की हमारे जवान कैसे रहते हैं उनसे सीखें, और उनके जीवन को समझें। कक्षा में केवल किताबी शिक्षा होती है, हमारा लक्ष्य यह है कि बच्चे इस से बाहर निकले और देश समाज को देखें।' **प्रो. बेचन लाल, कुलपति, क्लस्टर विश्वविद्यालय जम्मू**

'जम्मू विश्वविद्यालय के छात्रों को आज सुचेतगढ़ सरहद पर आने का अवसर प्राप्त हुआ है। हम हमेशा से ही सरहद राज्य निवासी रहे हैं और हमेशा से देशभक्त भी रहे हैं। जम्मू, भारत में इकलौता ऐसा क्षेत्र है जिसके अपने गांव का एक युद्ध स्मारक है लेकिन हम उन भावनाओं को व्यक्त नहीं कर पाए। यह जम्मू विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय की और से एक अच्छी पहल है ताकि हम अपनी सच्चाई से जुड़ पाएँ।' **डॉ. गरिमा गुप्ता (विभाग प्रमुख, पत्रकारिता एवं मीडिया अध्यन, जम्मू विश्वविद्यालय)**

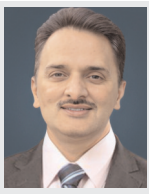

'आज का यह जो सरहद पर दौरा है, हमारी विश्वविद्यालय का पहला इवेंट है। हमने इसकी 'जोश-ए-सरहद' के नाम से सीरीज शुरू की है जिसका लक्ष्य है कि विद्यार्थियों के मन में देशभक्ति की भावना जग सके, जिससे देश की अखंडता एवं देश के प्रति जुड़ाव बना रहे। इससे विद्यार्थियों को सरहद पर रह रहे सिपाही और लोगों के जीवन के बारे में पता लगेगा।' **प्रो. अरविंद जसरोटिया, रजिस्ट्रार, जम्मू विश्वविद्यालय**

जम्मू विश्वविद्यालय का...

'कैक्टस गार्डन' के हाल ही में शामिल किए जाने के साथ-साथ इस परिसर को उजागर करने के साथ कुल भूमि का लगभग 8 एकड़ हिस्सा उद्यान द्वारा कवर किया गया है। कुल 1713 पौधे बगीचे को घेरते हैं, जिसमें 692 विभिन्न प्रजातियां शामिल हैं, जिनमें से 297 पेड़ पौधों की विशिष्ट 105 पहचानी गई श्रेणी के हैं। जम्मू विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग ने उनकी देखरेख में हर्बेरियम और संग्रहालय के रखरखाव के लिए सराहनीय प्रयास किए हैं। हर्बेरियम में विभिन्न श्रेणियों के तहत 13,000 से अधिक पहचाने गए पौधों के नमूने शामिल हैं और संग्रहालय में पौधों के संसाधनों, बीज के नमूनों, ब्रायोफाइट्स और अन्य उत्पादों के उपयोग के मॉडल शामिल हैं। आश्चर्यजनक रूप से, बगीचे में लगभग 20 पौधे हैं जो संकटग्रस्त और दुर्लभ श्रेणियों से संबंधित हैं, जैसे कि 'जिन्को बाइलोबा' जुरासिक समय की एक विदेशी प्रजाति जो हिरोशिमा-नागासाकी हमले में जीवित बची थी से लेकर 35 साल के सबसे छोटे जिम्नोस्पर्म 'ज़ामिया' तक हैं, जैसा कि विश्वविद्यालय में वनस्पति उद्यान के उद्यान क्यूरेटर नितिन कटोच द्वारा साझा किया गया। इन सभी क्लासिक वृक्षारोपण जो जम्मू विश्वविद्यालय के लिए एक पोषित बेशकीमती संपत्ति बन गए थे, बगीचे को वैश्विक मानचित्र पर रखते हैं।

ईव टीज़िंग फ्री कैंपस

हुमायरा, प्रकृति

यौन टिप्पणियों के संबंध में पुरुषों द्वारा महिलाओं को छेड़ना एक प्रकार का मानसिक प्रदूषण और एक सामाजिक समस्या है जो समाज को काफी हद तक प्रभावित करती है। किसी भी सार्वजनिक स्थान पर हर जगह यौन उत्पीड़न एक आम समस्या है जो महिलाओं के जीवन को प्रभावित करती है और स्वीकार्य सामाजिक-नैतिक मानकों के विरुद्ध है। आजकल युवा वर्ग इस मुद्दे को खूब प्रचारित कर रहे हैं। लेकिन जम्मू विश्वविद्यालय अन्य विश्वविद्यालयों से अलग है जहां यौन टिप्पणियों से संबंधित छेड़खानी की समस्या सिरें से मौजूद नहीं है। जम्मू विश्वविद्यालय में सभी छात्र चाहे वह लड़का हो या लड़की, सद्भाव दिखाकर काम करते हैं और पढ़ते हैं। जम्मू विश्वविद्यालय में पुरुष छात्र, छात्राओं की गरिमा का सम्मान करते हैं जो स्पष्ट रूप से जम्मू के लोगों की नैतिकता को दर्शाता है और यह साबित करता है कि जम्मू और कश्मीर के लोग अपनी संस्कृति का सम्मान करते हैं।

जम्मू विश्वविद्यालय का कैंपस लड़कियों से छेड़खानी और भद्दी टिप्पणियों से पूरी तरह मुक्त है। यह हमारे संस्थान की खूबसूरती है कि हम एक दूसरे के बिना कुछ भी नहीं हैं और हम सब इस संस्था के आभारी रहेंगे जिसने हमें एक दूसरे से जोड़ा। जैसा कि हम जानते हैं कि जीवन के चार स्तंभ परिवार, दया, ईमानदारी और विनम्रता हैं लेकिन नींव हमेशा शिक्षा ही होती है और यह संस्था हमारे जीवन और करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है जहां हम खुद को पूरी तरह से अभिव्यक्त कर सकते हैं। जम्मू विश्वविद्यालय का प्रशासन अन्य विश्वविद्यालयों से अलग है क्योंकि यहाँ का प्रशासन हमेशा छात्रों के साथ काम करता है। जम्मू विश्वविद्यालय का प्रशासन छात्रों के नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने और परिणामस्वरूप एक अच्छा वातावरण बनाने के लिए विभिन्न सेमिनार आयोजित करके छात्रों के नैतिक मूल्यों का समर्थन करता है।

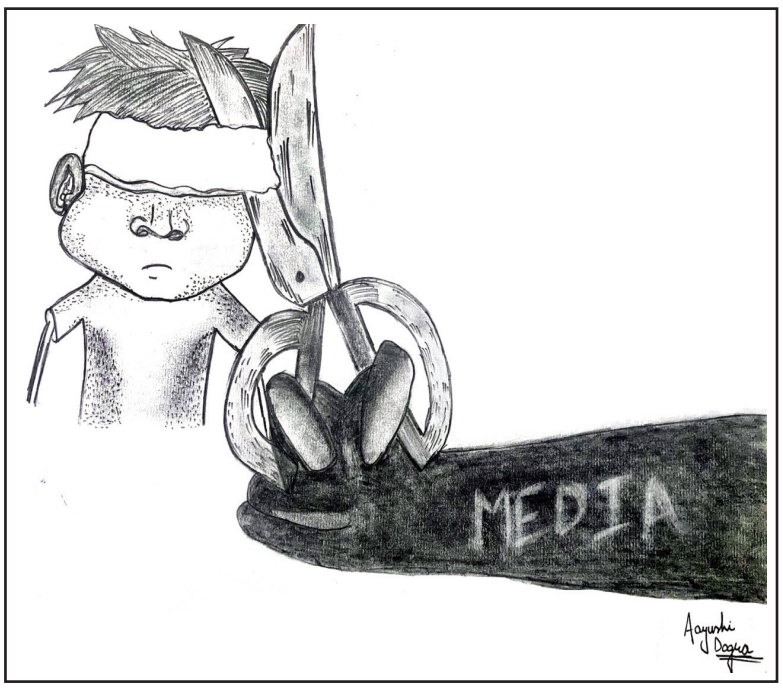

KM_KM.qxd 04-04-2023 17:01 Page 3

जेयू ने मनाया 53वां स्थापना दिवस, किया पूर्व कर्मचारियों को सम्मानित

स्थापना दिवस के मौके पर चांसलर मनोज सिन्हा और कुलपति प्रो. उमेश राय विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारियों के साथ भारतीय संविधान के डोगरी अनुवाद का लोकार्पण करते हुए।

रश्मि शर्मा

जम्मू। जम्मू विश्वविद्यालय ने 5 सितंबर 2022 को मनया अपना 53वां स्थापना दिवस, जिस दौरान विश्वविद्यालय के पूर्व कर्मचारियों को उनके योगदान के लिए समानित किया गया। इसमें श्री चमन लाल डोगरा (कुलपति के विशेष सहायक), श्री करण सिंह पठानिया, पद्म श्री प्रो. वेद कुमार घई संस्कृत विभाग, श्री नरिंदर नाथ शर्मा, श्री सुखदेव सिंह, श्री रतन लाल, श्री खुर्शीद अहमद जी को जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा सम्मानित किया गया, जो इस समारोह के मुख्य अतिथि थे।

जनसमूह को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने कहा, 'शिक्षा के बेहतर मानक और गुणवत्ता के लिए बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय ने कई कदम उठाए हैं।' उपराज्यपाल ने इस अवसर पर फैकल्टी और विश्वविद्यालय के कामकाज से जुड़े सभी लोगों को यह मुकाम हासिल करने, युवा दिमाग को आकार देने और सहयोग बढ़ाने के लिए बधाई दी। माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण का आह्वान करते हुए, उपराज्यपाल ने कहा कि एनईपी विश्वविद्यालयों में शिक्षा को फिर से परिभाषित करेगा और पहल के लिए अपना पूरा समर्थन व्यक्त किया। उपराज्यपाल ने यह भी कहा कि शिक्षा छात्रों के दिमाग को खोलने की कुंजी है तथा व्यक्तिगत विकास और स्वतंत्र सोच तभी संभव है जब एक छात्र को एक ऐसा वातावरण प्रदान किया जाए जो कक्षा तक ही सीमित न हो और उसे रचनात्मकता और ज्ञान का पोषण करने का अवसर मिले। उन्होंने कहा, 'छात्रों को सिर्फ डिग्री की जरूरत नहीं है, उन्हें शिक्षा की ज़रूरत है और यह केवल शिक्षकों की बढ़ती भागीदारी और सहयोग से ही संभव हैं।'

उपराज्यपाल ने प्रो. अर्चना केसर और डोगरी लेखकों व अनुवादकों की उनकी टीम श्री प्रकाश प्रेमी, श्री यशपाल निर्मल, और श्रीमती निर्मल विक्रम द्वारा प्रो. अरविंद जसरोटिया, रजिस्ट्रार के कानूनी मार्गदर्शन में भारतीय संविधान के डोगरी अनुवाद का लोकार्पण किया। प्रो. दिनेश सिंह, चांसलर के. आर मंगलम विश्वविद्यालय और पूर्व कुलपति दिल्ली विश्वविद्यालय, जो इस अवसर पर विशेष अतिथि थे, ने भारत की पारंपरिक उपनिषद प्रणाली के बारे में विस्तार से बात की, जिसने शिक्षा की आवश्यक भूमिका को समझने वाले महान दिमाग और आध्यात्मिक नेताओं का निर्माण किया, जो व्यक्ति को स्वयं की भावना में स्थिर करने के लिए था, जो आगे चलकर उत्कृष्टता की ओर ले गया। उन्होंने ट्रांसडिसिप्लिनरी लर्निंग और सहयोगी परियोजनाओं पर भी जोर दिया। महान वैज्ञानिकों का उदाहरण देते हुए उन्होंने ज्ञान की सामाजिक उपयोगिता के महत्व को रेखांकित किया और बताया कि कैसे व्यावहारिक अनुभव भी शिक्षा और ज्ञान के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इससे पहले, ऐतिहासिक अवसर पर चांसलर और उपराज्यपाल का स्वागत करते हुए, कुलपति प्रो. उमेश राय ने उपराज्यपाल द्वारा यूटी में शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए की गई अग्रणी पहलों का अवलोकन किया। उन्होंने आगे 1969 में अपनी स्थापना के बाद से विश्वविद्यालय द्वारा उठाए गए कदमों का अवलोकन किया। कुलपति ने इस विश्वविद्यालय को देश के इस हिस्से में उच्च शिक्षा की सबसे अच्छी सीट बनाने में उनके योगदान के लिए वर्तमान और पूर्व संकाय, सिविल सोसाइटी के लोगों और विश्वविद्यालय के अन्य सभी हितधारकों को भी धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर जम्मू के छात्रों, पूर्व छात्रों और प्रतिष्ठित कलाकारों द्वारा विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियों का भी प्रदर्शन किया गया। चंदर मोहन गुप्ता (मेयर, जेएमसी), प्रो. रविंदर कुमार सिन्हा (वीसी, एसएमवीडीयू), प्रो. जेपी शर्मा (वीसी, स्कास्ट-जम्मू), प्रो. बेचन लाल (वीसी, क्लस्टर यूनिवर्सिटी जम्मू), प्रो. कय्यूम हुसैन (वीसी, क्लस्टर यूनिवर्सिटी श्रीनगर), श्री विवेक भारद्वाज (अतिरिक्त सचिव, वित्त विभाग), रोहित कंसल (प्रधान सचिव, उच्च शिक्षा विभाग), प्रो. बीएस सहाय (निदेशक, आईआईएम जम्मू) और आईआईटी जम्मू के निदेशक प्रो. मनोज सिंह गौर स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए। मुकेश सिंह, एडीजीपी जम्मू; पूर्णिमा शर्मा, उप. मेयर, जम्मू; रमेश कुमार, संभागीय आयुक्त जम्मू के साथ वरिष्ठ अधिकारी, विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य और छात्र भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

एल्युमिनी स्पीक्स

महाजन रोहन, अलीना शापू

'तुम जिसे ढूंढ रहे हो वह तुम्हें ढूंढ रहा है।' – रूमी

नमस्ते

मैं चंदन मन्हास (जेकेएएस 2020 बैच), वर्तमान में ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर, डोडा के पद पर तैनात हूँ। मैं 'जम्मू यूनिवर्सिटी पोस्ट' के इस नए उद्यम को शुरू करने के लिए जम्मू विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग को बधाई देती हूँ।

मैं इस पत्र के माध्यम से अपनी यात्रा पर कुछ प्रकाश डालना चाहती हूँ। मैंने लॉ स्कूल से बीएएलएलबी किया और फिर जम्मू विश्वविद्यालय के कानून विभाग में एलएलएम किया। एलएलएम करते समय, मैं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी और हमारे विश्वविद्यालय के धन्वंतरि पुस्तकालय की शानदार व्यवस्था का धन्यवाद जिसने कई ऑफिसर्स को तैयार किया है। मैंने हमारी पुस्तकालय सेवाओं का पूरा लाभ उठाया और पूरे दिन वहीं पढ़ती थी। मेरे एलएलएम पाठ्यक्रम के दौरान मार्गदर्शन और समर्थन के लिए मेरे प्राध्यापक और मार्गदर्शक, डॉ. अरविंद जसरोटिया को मेरा विशेष धन्यवाद और मैं सरोजिनी नायडू छात्रावास की वार्डन, डॉ. सरिता सूद का भी आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने अनुशासन, साफ-सफाई और भोजन के मामले में ऐसी उत्कृष्ट व्यवस्था रखी कि मैं पूरी लगन से अपनी पढ़ाई पर ध्यान दे सकी। 2019 में मेरा जेके पुलिस में सब-इंस्पेक्टर के रूप में चयन हुआ और मैंने जेकेएसकेपीए में प्रशिक्षण लिया। मैंने अपनी प्रशिक्षण अवधि के दौरान जेकेएएस मुख्य परीक्षा दी और मैं भाग्यशाली थी कि इसे उत्तीर्ण कर सकी। फिर मैंने पुलिस विभाग से त्यागपत्र दे दिया, जेके स्टेट टैक्स एंड एक्साइज डिपार्टमेंट में सब-इंस्पेक्टर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया और वहां एक साल तक सेवा दी। अपने वरिष्ठ अधिकारियों की बदौलत मैं उस अवधि के दौरान इंटरव्यू के लिए तैयारी कर सकी और जब परिणाम सामने आया, तो मेरा जेकेएएस में चयन हो गया। एक के बाद एक तीन परीक्षाओं को पास करना कठिन था, लेकिन यदि आप कड़ी मेहनत करते हैं तो आप जो चाहें हासिल कर सकते हैं। अपने सपनों को पूरा करने के लिए आपके अंदर निरंतरता और दृढ़ संकल्प होना चाहिए। इसलिए, जैसा कि मैंने रूमी को ऊपर कोट किया है, यदि आप अपनी सारी ऊर्जा किसी चीज़ में लगाते हैं, तो सर्वोच्च शक्ति भी आपको इसे प्राप्त करने में मदद करती है।

'जेयू पोस्ट' के सभी सदस्यों को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

राइज़ एंड शाइन

चंदन मन्हास
(जेकेएएस), ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर, घाट, डोडा

डुग्गर दर्पण महोत्सव जम्मू विश्वविद्यालय में दिखी प्रदेश की संस्कृति की झलक

कोमल देवी

जम्मू। जम्मू विश्वविद्यालय में 'उत्साह क्लब' द्वारा आयोजित 'डुग्गर दर्पण' कार्यक्रम इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सहयोग से 10 मार्च से 20 मार्च तक चला। परिसर के ब्रिगेडियर राजेंद्र सिंह सभागार में कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. उमेश रय द्वारा किया गया जिसमे पद्मश्री राजिंद्र टिक्कू मुख्य अतिथि और प्रो. ललित मगोत्रा सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। विश्वविद्यालय में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें डोगरा संस्कृति और डोगरा व्यंजनों को प्रदर्शित किया गया साथ में क्लबों का प्रतीक चिन्ह भी जारी किया गया।

हाल ही में विश्वविद्यालय में बारह क्लब स्थापित किए गए। क्लबों का उद्देश्य छात्रों को किताबों से बाहर निकालना था, ताकि वह किसी एक विषय या कार्य तक सीमित न रह सकें। छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए कुलपति ने क्लबों को मंजूरी दी। कल्बों के अंदर बहुत से कार्यक्रम हुए जिन्होंने इतिहास, कला और संस्कृति के सार को कैप्चर किया। फोटोग्राफी, पेंटिंग, गायन, संगीत, नृत्य, नाटक, साहित्यिक चर्चा, कविता पाठ एवं दृश्य कलाओं का प्रदर्शन हुआ। जेयू में आयोजित 10 दिवसीय डुग्गर दर्पण महोत्सव का समापन 20 मार्च को हुआ। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से क्लब, जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा दस दिवसीय बहु-कला उत्सव 'डुग्गर दर्पण' के समापन समारोह में रीजनल सेंटर, जम्मू और कश्मीर, इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट्स, रीजनल सेंटर, जम्मू कश्मीर के मुख्य कैंपस के परिसर में कार्यक्रमों का एक बोनान्जा प्रदर्शित किया गया। जटिल रूप से क्यूरेटेड, दिन भर का कार्यक्रम, बेहतरीन प्रदर्शनों का एक समृद्ध उपचार था, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से जम्मू क्षेत्र के इतिहास, कला और संस्कृति के सार को कैप्चर करना था।

कार्यक्रमों की शृंखला, चाहे वह फोटोग्राफी, पेंटिंग्स, स्थापना, स्थानीय व्यंजनों के स्टालों के साथ 'माई विलेज माई प्राइड' का प्रदर्शन, गायन, संगीत, नृत्य, नाटक, साहित्यिक चर्चा, कविता पाठ श्रोताओं को संबोधित करते हुए, श्री रमेश कुमार, आईएएस, संभागीय आयुक्त, जम्मू ने आईजीएनसीए को उसके स्थापना दिवस पर बधाई दी और 'उत्साह' और जम्मू विश्वविद्यालय की ओर से सराहनीय कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि जबकि सरकार केवल बुनियादी ढांचा प्रदान कर सकती है, यह वास्तव में समाज के सदस्यों की जिम्मेदारी है कि वे क्षेत्र की विरासत और संस्कृति के संरक्षण में योगदान दें। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. उमेश राय, कुलपति, जम्मू विश्वविद्यालय ने छात्रों, विद्वानों, संकाय सदस्यों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों, राजपत्रित, अराजपत्रित कर्मचारियों और समुदाय के सदस्यों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की। उन्होंने 'जम्मू काशी संगम' परियोजना के प्रस्ताव की दिशा में अपनी भविष्य की कार्ययोजना की झलक भी प्रदान की, जिसका श्री रमेश कुमार, आईएएस, ने स्वागत किया। समापन सत्र में अपनी समापन टिप्पणी के दौरान उन्होंने घोषणा की कि यह महोत्सव एक वार्षिक कार्यक्रम बन जाएगा। यहां यह बताना उचित होगा कि कार्यक्रम की शुरुआत डोगरी विलेज प्रदर्शनी, 'स्हाड़ा ग्रांड' के उद्घाटन और दौरे के साथ हुई, जिसे हेरिटेज एंड टूरिज्म क्लब द्वारा लगाया गया। अपने समापन भाषण में, प्रो. बीएस सहाय, निदेशक आईआईएम जम्मू ने जम्मू विश्वविद्यालय और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के साथ संयुक्त उद्यमों की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान, जम्मू के अनुसंधान कार्यक्रमों में छात्रों से अधिक जुड़ाव आमंत्रित किया। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता के लिए आयोजकों और प्रतिभागियों को बधाई दी और कहा कि 'डोगरी संस्कृति' हमें भारतीय संस्कृति से जोड़ती है।

समापन सत्र की सम्मानित अतिथि प्रो. मीना शर्मा ने भी कार्यक्रम की शानदार सफलता के लिए प्रो. उमेश राय और बारह समन्वयकों को बधाई दी। प्रसिद्ध 'डोगरी संस्था' के अध्यक्ष प्रो. ललित मंगोत्रा ने भी इस अवसर पर अपनी बात रखी और इस आयोजन की शानदार सफलता के लिए सभी को बधाई दी। उन्होंने दावा किया कि यह कार्यक्रम जम्मू विश्वविद्यालय में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के इतिहास में एक अनोखे कार्यक्रम के रूप में जाना जाएगा। अपनी बातचीत में, पद्मश्री मोहन सिंह ने वर्ष 2003 में डोगरी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए अपने बारह साल के संघर्ष के बारे में बात की। क्षेत्र के युवा लेखकों को अपने संदेश में, उन्होंने कहा कि एक सच्चा कलाकार जुनून का परिणाम है। प्रो. उमेश राय, वाइस चांसलर, जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा दस दिवसीय महोत्स्व के दौरान पेश की गई पहल और समर्थन को स्वीकार किया गया और उन्होंने उन सभी गणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने समारोह में भाग लेने के लिए अपना कीमती समय निकाला, जिसमें प्रो. रजनीकांत (डीन रिसर्च स्टडीज), प्रो. नरेश पाधा (डीन एकेडमिक अफेयर्स, जम्मू विश्वविद्यालय), प्रो. नीलू रोहमेत्रा (निदेशक, दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा निदेशालय), प्रो. अरविंद जसरोटिया (रजिस्ट्रार), प्रो. प्रकाश अंथाल (डीन छात्र कल्याण), प्रो. सुचेता पठानिया, कला संकाय के डीन और अन्य उपस्थित थे। उन्होंने 'उत्साह' महोत्सव के लोकाचार के बारे में बात की और बारह समन्वयकों, संसाधन व्यक्तियों, उनके संबंधित क्लबों के सदस्यों और स्वयंसेवकों को दिल से बधाई दी, जिनके योगदान ने दस दिवसीय बहु-कला उत्सव को संभव बनाया। उन्होंने श्रुति अवस्थी, क्षेत्रीय निदेशक को दस दिवसीय उत्सव के लिए 'डुग्गर दर्पण' की थीम में साथ आने के लिए बधाई दी और युवाओं के बीच डोगरी भाषा और संस्कृति को पूरे दिल से अपनाने के निषेध के लिए अपनी चिंता व्यक्त की।

डुग्गर दर्पण महोत्सव के दौरान विद्यार्थी अपने द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को दर्शाते हुए।

दिन के मुख्य आकर्षण में डॉ. शशि प्रभा की गणेश वंदना, इफरा काक़ (ड्रामा इंस्ट्रक्टर, छात्र कल्याण विभाग) द्वारा निर्देशित एक नाटक प्रस्तुति 'अल्हड़ गोली वीर सिपाही', डोगरी गीतों का मैशअप, जागरण, डोगरी नृत्य, और पद्मश्री मोहन सिंह के साथ बातचीत, कविता पाठ, सीमा अनिल सहगल द्वारा एक गीत प्रदर्शन, प्रिया दत्ता और डांस क्लब के सदस्यों द्वारा डोगरी गीतों पर कथक प्रदर्शन, डोगरा संस्कृति पर एक वृत्तचित्र 'संस्कृति आवाम परम्परा' 'मेलपट्ट' का प्रदर्शन और 'धाकु ढिक्कू' नृत्य, और फोटोग्राफी की प्रदर्शनी थे। उद्घाटन सत्र के लिए औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. शशि प्रभा द्वारा प्रस्तुत किया गया। समारोह का संचालन श्री राज कुमार, आईएमएफएस ने किया। अन्य प्रमुख लोगों में प्रो. श्याम नारायण लाल, प्रो. विश्व रक्षा, प्रो. सुमन जम्वाल, प्रो. परिमल कुमार, प्रो. मोनिका सेठी, डॉ. शशि प्रभा, डॉ. सदफ शाह, डॉ. गरिमा गुप्ता, सुश्री अनुराधा कुमार, श्री. यासीन किचलू श्री संदीप पंडिता, निदेशक, एचडीआरसी, सुश्री माधवी शर्मा, श्री बृजेश झा, डॉ. सुविधा खन्ना, डॉ. मधुलिका सिंह, डॉ. प्रीतम सिंह, डॉ. चिन्मयी महाराणा, श्री. इस मौके पर राकेश शर्मा, डॉ. प्रिया दत्ता और डॉ. रविंदर सिंह भी मौजूद थे।

KM_KM.qxd 04-04-2023 17:01 Page 4

'सौहार्द' अंतर-विश्वविद्यालय चांसलर ट्रॉफी-2023

जम्मू विश्वविद्यालय बना ओवरऑल चैंपियन

महाजन रोहन

जम्मू। उपराज्यपाल एवं जम्मू विश्वविद्यालय के चांसलर मनोज सिन्हा ने 15 मार्च को ÷माई यूथ माई प्राइड÷ पहल के तहत जम्मू विश्वविद्यालय में अंतर-विश्वविद्यालय खेल महोत्सव 'सौहार्द' चांसलर ट्रॉफी का उद्घाटन किया। इस तीन दिवसीय भव्य खेल आयोजन 'सौहार्द' में विभिन्न विश्वविद्यालयों के 550 से अधिक खिलाडियों ने भाग लिया।

उपराज्यपाल ने उच्च शिक्षा संस्थानों से खेल को एक मुख्य विषय के रूप में बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खेल मन और शरीर दोनों का पोषण करते हैं। उपराज्यपाल ने कहा कि शोधकर्त्ताओं ने खेल को मस्तिष्क के लिए एक चमत्कार माना है। उपराज्यपाल ने यह भी बताया कि प्राचीन शिक्षा प्रणाली में खेल की जड़ें गहरी थी। उन्होंने साथ ही कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि खेल हमारे पाठ्यक्रम का हिस्सा होना चाहिए।

प्रो. उमेश राय, कुलपति, जम्मू विश्वविद्यालय के अनुसार जी-20 समूह का भागीदार होने के नाते जम्मू विश्वविद्यालय ने एक अंतर-विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता चांसलर ट्रॉफी करने की पहल की है। चांसलर ट्रॉफी-2023 का उद्देश्य विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों के बीच भाईचारे को बढ़ावा देने और विश्वास और सामाजिक सद्भावना को बढ़ाना था। इस

मेयर राजिन्द्र शर्मा और कुलपति विजेता टीमों के खिलाड़ियों के साथ सामूहिक तस्वीर खिंचवाते हुए।

प्रतियोगिता में जम्मू-कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश के सात विश्वविद्यालयों जिसमें कश्मीर विश्वविद्यालय, क्लस्टर विश्वविद्यालय कश्मीर, क्लस्टर यूनिवर्सिटी जम्मू, एसएमवीडीयू कटरा और बीजीएसबीयू राजोरी के महिला और पुरुष वर्ग में खिलाड़ियों ने क्रिकेट, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, कबड्डी, टेबल-टेनिस और एथलेटिक्स खेलों में हिस्सा लिया। इसमें खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

एथलेटिक्स के पुरुष वर्ग में 200 मीटर दौड़ में एसएमवीडयू के अनिकियेत आदित्य ने पहला स्थान हासिल किया और क्लस्टर विश्वविद्यालय के निखिल कुमार ने दूसरा स्थान हासिल किया। 400 मीटर दौड़ में क्लस्टर विश्वविद्यालय के गोल्डी ने पहला और जम्मू विश्वविद्यालय के रंजीश ने दूसरा स्थान हासिल किया। डिस्क थ्रो में जम्मू विश्वविद्यालय के सौरव शर्मा ने पहला, जम्मू विश्वविद्यालय के मो. अजम ने दूसरा स्थान हासिल किया। एथेलेटिक्स के महिला वर्ग में भी शानदार मुकाबले खेले गए।

चांसलर ट्रॉफी-2023 के महिला और पुरुष वर्ग में नौ विभिन्न टीम और व्यक्तिगत खेल स्पर्धाओं में पहला स्थान हासिल करने वाला जम्मू विश्वविद्यालय ओवरऑल चैंपियन बना। ट्रॉफी के अंतिम दिन शुक्रवार को नगर निगम के मेयर राजिंद्र शर्मा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विजेताओं में पुरस्कार बांटे। अंतिम दिन हुए मुकाबलों में टेबल टेनिस के पुरुष वर्ग में जम्मू विश्वविद्यालय विजेता और क्लस्टर विश्वविद्यालय जम्मू उप-विजेता बना। महिला वर्ग में जम्मू विश्वविद्यालय विजेता और क्लस्टर विश्वविद्यालय कश्मीर उपविजेता बना। कबड्डी के पुरुष वर्ग में क्लस्टर विश्वविद्यालय जम्मू विजेता और जम्मू विश्वविद्यालय उपविजेता रहा। महिला वर्ग में जम्मू विश्वविद्यालय विजेता और डीडीई एंड ओई उपविजेता रहा। बास्केटबॉल के पुरुष वर्ग में जम्मू विश्वविद्यालय विजेता और क्लस्टर विश्वविद्यालय उपविजेता बना। महिला वर्ग में जम्मू विश्वविद्यालय विजेता और क्लस्टर विश्वविद्यालय कश्मीर उपविजेता बना। वॉलीबाल के पुरुष वर्ग में क्लस्टर विश्वविद्यालय जम्मू विजेता और क्लस्टर विश्वविद्यालय कश्मीर उपविजेता रहा। महिला वर्ग में जम्मू विश्वविद्यालय विजेता और क्लस्टर विश्वविद्यालय उपविजेता रहा। वहीं क्रिकेट और एथलेटिक्स में भी जम्मू विश्वविद्यालय का दबदबा रहा। इस दौरान जम्मू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. उमेश राय ने 'सौहार्द' खेल महोत्सव के सफल आयोजन के लिए खिलाड़ियों की प्रशंसा की। जेयू के खेल एवं शारीरिक शिक्षा निदेशालय के निदेशक डॉ. दाऊद इकबाल बाबा ने कहा कि प्रतियोगिता में 550 खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा व दमखम दिखाई। इस दौरान प्रो. सुमन जम्वाल, डॉ. जसपाल सिंह वारवाल, डॉ. इमरान फारूक, डॉ. विनय ठुस्सू व अन्य लोग मौजूद रहे।

पदक विजेता

मैंने चांसलर ट्राफी में पहली बार भाग लिया और मेरा अनुभव कमाल का रहा। मुझे डिस्क थ्रो में यूनिवर्सिटी के लिए गोल्ड मेडल हासिल करके गर्व की अनुभूति हो रही है। मैं उम्मीद करती हूँ की जम्मू विश्वविद्यालय भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा ताकि छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता रहे।

सेवांग डोलमा,
खेल एवं शारीरिक शिक्षा विभाग,
जम्मू विश्वविद्यालय

चांसलर ट्राफी में मैंने लॉन्ग जम्प में अपने विश्वविद्यालय के लिए स्वर्ण पदक हासिल किया और साथ में अपनी टीम के साथ 4×100 मीटर रिले रेस में पार्टिसिपेट किया और गोल्ड मैडल जीता।

नर्मिता कटोच,
खेल एवं शारीरिक शिक्षा विभाग,
जम्मू विश्वविद्यालय

जेयू के दिग्गज: डी.एन.वाडिया

आकाश, भारती

जम्मू। जम्मू विश्वविद्यालय में स्थित प्राकृतिक इतिहास का वाडिया संग्रहालय, प्राकृतिक दुनिया में रुचि रखने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक आकर्षक स्थल है। संग्रहालय, जिसे 2013 में स्थापित किया गया था। इसके संस्थापक, दिवंगत प्रो. दाराशॉ नौशेरवान वाडिया, एक प्रतिष्ठित भूविज्ञानी के नाम पर है, जिन्होंने भारत में भूविज्ञान की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के लिए काम करने वाले सबसे शुरुआती भारतीय वैज्ञानिकों में से एक, डी. एन. वाडिया देश के अग्रणी भूविज्ञानी थे। उन्हें हिमालयन स्ट्रैटिग्राफी में उनके योगदान के लिए पहचाना जाता है। वर्ष 1907 में, वाडिया को जम्मू में प्रिंस ऑफ वेल्स कॉलेज (जीजीएम साइंस कॉलेज) द्वारा नियुक्त किया गया था, जब वह 23 वर्ष के थे और अगले 14 वर्षों तक वहां पर रहे। फिर उन्होंने कॉलेज में एक भूविज्ञान विभाग की स्थापना की जो आज भी उसी परिसर में है। वाडिया ने सोचा कि कॉलेज बहुत मददगार है, और इस स्थान ने उनके लिए आस-पास के क्षेत्र में भूवैज्ञानिक अनुसंधान करना भी संभव बना दिया। उन्होंने जम्मू में काम करते हुए अपनी छुट्टियां हिमालय क्षेत्र में चट्टानों और जीवाश्मों को इकट्ठा करने में बिताईं, जिन्हें वाडिया संग्रहालय में

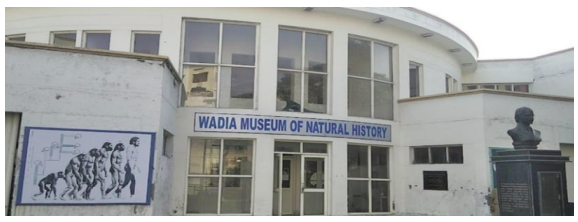

प्रदर्शित किया गया था। संग्रहालय के संबंध में÷इसमें कई प्रकार के प्रदर्शन हैं जो प्राकृतिक इतिहास के कई पहलुओं को कवर करते हैं। इसमें स्थानीय चट्टानों, खनिजों, जीवाश्मों और अन्य भूवैज्ञानिक कलाकृतियों का संग्रह है। उन्होंने वर्ष 2000 में विलुप्त एलीफस नामाडिकस प्रजाति के दांत और अन्य अवशेष पाए, जो आधुनिक हाथी के विलुप्त रिश्तेदार प्रजाति से संबंधित थे और इस संग्रहालय में रुचि का केंद्र है। जीवाश्म जमा से लगभग 55 फीट ऊपर स्थित पेलियोसोल की कार्बन डेटिंग के आधार पर, जीवाश्मों की आयु कम से कम 50,000 वर्ष पुरानी है। खुदाई स्थल पर जीवाश्म से जुड़े 63 प्रयुक्त पत्थर के औजार भी मिले हैं। खोपड़ी, दुनिया के भूवैज्ञानिक रिकॉर्ड में पाए गए हाथियों की सबसे बड़ी खोपड़ी से 62त्न बड़ी है। प्रो. डी एन वाडिया की विरासत भारत और उसके बाहर पुरातत्वविदों और इतिहासकारों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। उनका संग्रहालय भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और अध्ययन के लिए उनके आजीवन समर्पण और भविष्य की पीढ़ियों के लिए हमारे अतीत की रक्षा और जश्न मनाने के महत्व की याद दिलाता है। इसलिए, विश्वविद्यालय के इस संग्रहालय को इसके प्राचीन गौरव को समझाने, संरक्षित करने और पुनर्स्थापित करने का संकल्प लेना चाहिए।

नॉर्थ जोन दिव्यांग क्रिकेट टूर्नामेंट में रहा जम्मू कश्मीर का दबदबा

ग्रुप फोटोग्राफ के दौरान मुख्य अतिथि व विजेता टीम

हिमानी कंधारी

जम्मू। 11 और 12 मार्च 2023 को जम्मू विश्वविद्यालय ने दिव्यांग क्रिकेटरों के लिए दो दिवसीय उत्तर क्षेत्र क्रिकेट टूर्नामेंट की मेजबानी की। टूर्नामेंट का आयोजन जेयू की डिसएबिलिटी इनिशिएटिव्स यूनिट, उन्नत भारत अभियान-जम्मू यूनिवर्सिटी चैप्टर और एनजीओ पार्टनर दिव्यांग क्रिकेट टीम जम्मू-कश्मीर के सहयोग से खेल और शारीरिक शिक्षा निदेशालय द्वारा किया गया।

प्रो. नरेश पाधा, डीन एकेडमिक अफेयर्स, जेयू मुख्य अतिथि और प्रो. जसबीर सिंह, संयोजक यूबीए-जेयू इस अवसर पर सम्मानित अतिथि थे। प्रो. नरेश पाधा ने दिव्यांग समुदाय के लिए खेल आयोजन के लिए डिसएबिलिटी इनिशिएटिव यूनिट के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आश्वासन दिया कि जम्मू विश्वविद्यालय दिव्यांगजनों के लिए और अधिक खेल गतिविधियां आयोजित करने के लिए तैयार है ताकि उनकी ऊर्जा को सही दिशा दी जा सके। प्रो. जसबीर सिंह ने कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व का क्षण है क्योंकि इस कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित विकलांग छात्र भाग ले रहे हैं। पहले दिन दो क्रिकेट मैच खेले गए। पहला मैच जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश के बीच खेला गया जिसमें जम्मू-कश्मीर विजेता बना। दूसरा मैच हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच खेला गया, जिसमें उत्तर प्रदेश ने जीत दर्ज की। दूसरे और अंतिम दिन जम्मू विश्वविद्यालय क्रिकेट ग्राउंड में जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश के बीच तीन लीग मैच खेले गए, जिसमें जम्मू-कश्मीर विजेता रहा; दूसरा मैच हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच खेला गया, जिसमें यूपी ने जीत दर्ज की और तीसरा मैच जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के बीच खेला गया, जिसमें जम्मू-कश्मीर विजेता रहा।

फाइनल मुकाबला जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश के बीच खेला गया, जिसमें जम्मू-कश्मीर की टीम विजयी रही। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार इश्तियाक, विजय कुमार, शाहिद इकबाल अवान और यासिर ने जीता, जबकि जम्मू-कश्मीर के कप्तान शाहिद इकबाल अवान को मैन ऑफ द टूर्नामेंट घोषित किया गया। इस त्रिकोणीय श्रृंखला टूर्नामेंट में हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और जम्मू-कश्मीर की टीमों ने हिस्सा लिया था।

डॉ. सलीम-उर-रहमान, महानिदेशक परिवार कल्याण, एमसीएच और टीकाकरण जम्मू-कश्मीर और निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, जम्मू, ने मुख्य अतिथि के रूप में समापन समारोह की शोभा बढ़ाई। अपने संबोधन में उन्होंने दिव्यांग खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी और उन्हें एक उत्पादक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। प्रो. सारिका मन्हास, समन्वयक विकलांगता पहल, जेयू और टूर्नामेंट के आयोजक ने अलग-अलग सक्षम समुदाय के कारण का समर्थन करने के लिए कुलपति प्रो. उमेश राय की दृष्टि की सराहना की। यूबीए-जेयू चैप्टर के संयोजक प्रो. जसबीर सिंह ने दिव्यांग खिलाड़ियों की प्रतिभा और अथक परिश्रम की प्रशंसा की, जबकि सुनीता कश्यप, चेयरपर्सन दिव्यांग क्रिकेट टीम जम्मू-कश्मीर ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

AADEE PUBLISHING HOUSE
"READING MAKETH A FULL MAN"
* Publish your book with ISBN.
* Accepted by UPSC, State Public Service Commission, Service Selection Board.
* All Subjects.
171-DSIIDC SHED, OKHLA INDUSTRIAL AREA, PHASE-1 NEW DELHI - 110020 INDIA
+91880078624, +919070270027
aadeepublishinghouse@gmail.com www.aadeepublishinghouse.com

संपादकीय मंडलः मुख्य संपादक - प्रो. श्याम नारायण, प्रबंध संपादक - डॉ. गरिमा गुप्ता, सलाहकार संपादक - ब्रजेश झा, न्यूज एडिटर - डॉ. प्रदीप सिंह, वरिष्ठ उपसंपादक - रोहन चौधरी, रिया जसरोटिया, उपसंपादक - महाजन रोहन, रश्मि शर्मा, हिमानी कंधारी, हरप्रीत कौर, कोमल देवी, प्रकृति सम्ब्याल, भाषा विशेषज्ञ - शुभम मनकोटिया